वार्षिक कार्य कलाप 2022–2023

स्वै० संस्था का नाम– अनमोल फाउण्डेशन काशीपुर

उद्यम सिहं नगर उत्तराखण्ड

स्थापना दिवस– 19/09/2016

पंजिकरण संख्या– 314/2016

अनमोल फाउण्डेशन काशीपुर उद्यम सिंह नगर एन० जी० ओ० पब्लिक चैरेट्रेवल ट्रस्ट एक्ट 1882 के अन्तर्गत पंजिकृत स्वै० संस्था है। संस्था का कार्यक्षेत्र पूरे भारत वर्ष में हैं। वर्तमान में 27/11/2021 से एक दिव्यागं जन केन्द्र / अनमोल स्पेशल स्कूल बाजपुर रोड काशीपुर में संनचारित किया जा रहा हैं। वर्तमान में इसमें 50 दिव्यांग बच्चे पंजिकृत है, जिनको विशेष शिक्षको द्वारा विशेष शिक्षा ब्रेल लिपि, साइन लैंगविच फिजियोथैरिपी आदि निशुल्क अनमोल फाउण्डेशन एन० जी० ओ० द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है।

50 दिव्यांगों को निशुल्क शिक्षा दे रहीं मीनाक्षी

संवाद न्यूज एजेंसी

रुद्रपुर। जिले के 50 नेत्रहीन, मूकबधिर व मानसिक दिव्यांग बच्चों की पढ़ाई करने का जिम्मा काशीपुर के. रामपुरम कॉलोनी निवासी मीनाक्षी चौहान ने उठाया है। इंटर में कला संकाय के चार मूकबधिर छात्रों को मीनाक्षी साइन लैंग्वेज से पढ़ाती है। बाकी नेत्रहीन बच्चे ब्रेल लिपि के माध्यम से अक्षरों को छूकर पढ़ते हैं।

मीनाक्षी चौहान।

मीनाक्षी बताती हैं कि सर्व शिक्षा अभियान के दौरान उन्होंने दिव्यांग बच्चों को शिक्षा दी। उसके बाद दिव्यांग बच्चों को ही पढ़ाने का जिम्मा उठाया। बताया कि वह विशेष शिक्षा में बीएड और एमएड दृष्टिबाधित की डिग्री के साथ हिंदी व समाजशास्त्र से पोस्ट ग्रेजुएट हैं। बताया कि दिव्यांग बच्चों को निशुल्क शिक्षा देने के लिए उन्होंने वर्ष 2016 में अनमोल फाउंडेशन ट्रस्ट का गठन किया। ट्रस्ट के गठन के बाद जिलेभर में दिव्यांग बच्चों को विशेष शिक्षा देने के लिए जागरूकता शिविर भी लगाया गया। उसके बाद वर्ष 2017 में डीएम डॉ. नीरज खैरवाल की ओर से काशीपुर के ब्लॉक संसाधन केंद्र में दिव्यांगों के स्पेशल स्कूल खोलने की अनुमति दी गई।

शुरुआत में सिर्फ 20 बच्चे थे, उसके बाद अब तक स्कूल में 50 बच्चे पंजीकृत हो गए हैं। बताया कि दिव्यांग बच्चों का वह सरकारी स्कूल में एडमिशन कराते हैं लेकिन शिक्षा स्पेशल स्कूल में ही दी जाती है।

काशीपुर के दिव्यांग स्पेशल स्कूल में पढ़ाई करते बच्चे। संवाद

8 मार्च 2020

काशीपुर/रुद्रपुर

दिव्यांगों की जिंदगी संवारने में जुटी हैं काशीपुर की मीनाक्षी

कई बार हो चुकीं सम्मानित. निश्शुल्क शिक्षा को चलाई मुहिम

महिला दिवस पर विशेष

जागरण संवाददाता, काशीपुर : दिव्यांगों की जिंदगी में रंग भरकर उनको सशक्त बनाने में जुटी मीनाक्षी चौहान महिलाओं के लिए मिसाल बनी हैं।

मूल रूप से काशीपुर की रहने वाली मीनाक्षी शिक्षिका हैं। दिव्यांग बच्चों के लिए हमेशा उनके मन में कुछ करने की तमन्ना थी। इसे पूरा करने के लिए उन्होंने इसी दिशा में अपने कदम आगे बढ़ाए। दृष्टि बाधित एवं दिव्यांग बच्चों को ब्रेल लिपि से पढ़ाने की डिग्री हासिल करने के बाद उन्होंने वर्ष 2011 से बीआरसी काशीपुर में रिसोर्स टीचर के रूप कार्य शुरू किया। 2016 में अनमोल फाउंडेशन पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट का गठन किया और दिव्यांग बच्चों को निश्शुल्क शिक्षा देने के लिए मुहिम चलाई। जिलाधिकारी ऊधमसिंह नगर ने खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय कैंपस में अनमोल फाउंडेशन एनजीओ को सेंटर पर चलाने की अनुमति दी। दिव्यांग बच्चों के लिए इस केंद्र पर सारी सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। इस केंद्र में 30 बच्चों को विशेष शिक्षा दी जा रही है। वर्ष 2019 में शिक्षक सम्मान समारोह में शिक्षामंत्री अरविंद पांडेय द्वारा मीनाक्षी चौहान को सम्मानित किया गया। उप शिक्षा अधिकारी गीतिका जोशी द्वारा भी मीनाक्षी चौहान को सराहनीय कार्य के लिए सम्मानित किया जा चुका है।

मीनाक्षी चौहान • जागरण

- समाज कल्याण विभाग उद्यम सिंह नगर के सहयोग से दिव्यांगजनो को समय–समय पर शिविर लगाकर 500 दिव्यांगजनो को मोट्रेट ट्राइ साइकिल, ट्राइ साइकिल व्हील चेयर, कान की मशीन, कैलीपर वैसाठी, वाकर आदि वितरित किये गये।

- 11 नवम्बर 2022 को राजकीय महाविद्यालय टनकपुर चम्पावत में छात्र छात्राओं को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जारकारी दी एवं साइन लैग्वेज ब्रेल लिपि सिखाई।

- श्रीमती मीनाक्षी चौहान को 14 नवम्बर 2022 को चिल्ड्रन चैंपियन अवार्ड से माननीय श्री पुष्कर सिंह धामी जी मुख्य मंत्री उत्तराखण्ड व श्रीमती गीता खन्ना अध्यक्ष बाल संरक्षण आयोग द्वारा समानित किया गया।

- सम्रग शिक्षा अभियान उद्यम सिंह नगर के अन्तर्गत 3 दिसम्बर 2022 अर्न्तराष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस के मौके पर स्पार्क मिण्डा फाउण्डेशन रूद्रपुर द्वारा **दिव्यांगजन केन्द्र वी० आर० सी० काशीपुर** में पढ रहे हैं। शिक्षा विभाग के द्वारा दिव्यांगजनो को स्कूल बेंग, पानी की बोतल टिपिन आदि वितरित किये गये।

- अनमोल फाउण्डेशन एन० जी० ओ० द्वारा समय–समय पर दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 की जागरूकता के लिए कार्यशाला का आयोजन किया जाता हैं। स्कूलो में NAPDDR के अन्तर्गत ड्रग न करने जागरूकता स्कूली बच्चो की जाती है ड्रग, एल्कोल से होने वाले नुकसान से आम–जन को जागरूक किया।

- महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने के लिए स्वंम सहायता समूहो के गठन करने में सहयोग किया समाज कल्याण के सहयोग से लगभग 5000 दिव्यांगजन के विशिष्ट पहचान पत्र (UDID) बनाये गये और स्वास्थ विभाग के सहयोग से लगभग 500 दिव्यांगता पहचान पत्र बनाये गये। लगभग 1000 महिलाओं और पुरूषो को स्वरोजगार के लिये बैंक से ऋण सम्बन्धी जानकारी दी गई।

- 8 मार्च 2023 को होली कर त्योहार बड़े ही हर्षोल्लास और उल्लास के साथ मनाया गया। दिव्यांग बच्चों ने अविर और गुलाल लगाकर साधारण तरीके से होली मनाई गई।